हरिभूमि
# हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

11 तिरुपति धाम : 81 कलशों से दूध, दही, घी, शहद...

12 'मन की बात' से समाज में जागरूकता व सकारात्मक...

## खबर संक्षेप

### 6 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया आरोपी

**हिसार।** सदर पुलिस टीम ने गांव पीरावाली क्षेत्र में 6 ग्राम हेरोइन सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सदर पुलिस की टीम एएसआई विक्रम के नेतृत्व में पीरांवाली क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक सूचना के आधार पर पीरांवाली निवासी जंगीर को एक पुलिस के पास हेरोइन बेचते हुए पकड़ा गया। तलाशी में उससे 6 ग्राम हेराइन बरामद हुई। पुलिस ने उस पर केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

### जलघर से वाल्व व तांबे की तार चुराने का आरोपी धरा

**हिसार।** मंगाली चौकी पुलिस ने जल घर से चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा लोहे की वाल बरामद की है। इस संबंध में मंगाली मोहब्बत गांव में जल घर के बेलदार विजेंद्र ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार 26 जून को जल घर परिसर से लगभग 80 किलोग्राम वजनी लोहे की वाल्व तथा ट्यूबवेल में प्रयुक्त लगभग 200 फुट तांबे की तार चोरी हो गई। शिकायत पर केस दर्ज करके छानबीन करते हुए पुलिस ने जांच करते हुए मंगाली मोहब्बत निवासी अजय उर्फ शेरू को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा लोहे की वाल्व बरामद कर ली गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी चोरी की तांबे की तार बेच चुका है। पुलिस अब चोरी की तार की बिक्री से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है तथा मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### शराब सहित एक दबोचा स्कूटी भी बरामद

**आदमपुर।** पुलिस ने अवैध शराब सहित युवक को गिरफ्तार किया है। आदमपुर पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव कोहली बस अड्डा के पास मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि आदमपुर निवासी सोनू अपनी स्कूटी पर अवैध शराब लेकर गांव कोहली से आदमपुर की ओर जा रहा है। टीम ने नाकाबंदी करके उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान स्कूटी में रखे डिब्बे से 12 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने उस पर केस दर्ज कर लिया है।

### चोरी में उद्घोषित दो अपराधी गिरफ्तार

**हिसार।** पुलिस के पीओ स्टाफ ने चोरी के एक पुराने मामले में दो उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फतेहाबाद जिले के गांव बीघड़ निवासी पृथ्वी सिंह व आकाश के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध चोरी के मामले में थाना अर्बन एस्टेट में मामला दर्ज था। न्यायालय में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण दोनों आरोपियों को न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था।

# महापंचायत का ऐलान: पानी मिलने तक नहीं हटेंगे

## जल आंदोलन: मांग जल्द पूरी न हुई तो तेज किया जाएगा आंदोलन

- धरने 44वें दिन भी महापंचायत करके पुरजोर तरीके से उठाई मांग
- कहा- हरियाणा के लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता नहीं दे रही प्रदेश सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

भाखड़ा पेयजल पाइपलाइन में टी लगाकर पानी की मांग पर चानौत गांव में चल रहे धरने के 44वें दिन रविवार गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया। धरना स्थल पर आयोजित महापंचायत में भादरा से पूर्व विधायक बलवान सिंह पूनिया और पूर्व मंत्री छत्रपाल सिंह अपने समर्थकों सहित चानौत धरने पर समर्थन देने पहुंचे वहीं महापंचायत में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के ग्रामीणों और विभिन्न खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। महापंचायत में सभी वक्ताओं ने सरकार से जल्द समाधान निकालने की मांग की। चेतावनी दी कि वे पानी लिए बिना पीछे नहीं हटेंगे और उनकी मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना कमेटी ने दोहराया कि पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होने तक आंदोलन जारी रहेगा। महापंचायत में मौजूद ग्रामीणों ने सरकार को जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का अल्टीमेटम दिया और कहा कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

हांसी। महापंचायत को संबोधित करते खाप प्रतिनिधि व उपस्थित चानौत व आसपास के गांव से आए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

### हरियाणा प्यासा, राजस्थान को पानी

महापंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रदेश के कई गांव पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, चानौत के लोग पानी के लिए पिछले 44 दिन से धरने पर बैठे हैं और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राजस्थान को प्रदेश के अंदर से अंडरग्राउंड पाइपलाइन के द्वारा पानी देने पर समझौता किया है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार की ओर से हरियाणा के लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही।

### एसवाईएल के लिए बजट नहीं, पुनर्विचार करे सरकार

महापंचायत में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि बजट में एसवाईएल नहर परियोजना के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया। इसे प्रदेश के जल हितों की अनदेखी बताते हुए सरकार से नीति पर पुनर्विचार की मांग की।

# बिजली संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, हिसार और हांसी में लगे जाम

## ग्रामीणों ने प्रशासन को दी चेतावनी, समस्या के स्थायी समाधान के आश्वासन पर माने

- भिवानी रोहिल्ला में हिसार भादरा रोड पर प्रदर्शन, 4 दिन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार/हांसी

बढ़ती गर्मी व उमस के साथ ही बिजली संकट ने परेशान कर दिया है। इसी के चलते रविवार को हिसार के भिवानी रोहिल्ला व हांसी के घिराय में ग्रामीणों ने बिजली संकट के चलते रास्ते जाम करके रोष जताया। ग्रामीणों का कहना था कि वे पिछले कई दिनों से अधिकारियों को इस बारे अवगत करवा रहे हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

'म्हारा गांव जगमग गांव' योजना के तहत 24 घंटे बिजली न मिलने से नाराज भिवानी रोहिल्ला में ग्रामीणों ने रविवार को पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में हिसार-बालसमंद-भादरा मार्ग पर जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि भिवानी रोहिल्ला 33केवी सब-स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा शत-प्रतिशत बिजली बिलों का भुगतान करने के बावजूद उन्हें पूरे दिन में चार घंटे लाइट मिलती है और भारी अघोषित कटौती का सामना करना पड़ रहा है। आदमपुर से चली आ रही 70 साल से पुरानी लाइन से काम चलाया जा रहा है।

हिसार। भिवानी रोहिल्ला में जाम लगाए ग्रामीण।

हांसी। जाम के दौरान सड़क पर खड़े वाहन।

### लिखित आश्वासन देकर मांगा समय

जाम की सूचना मिलते ही बालसमंद पुलिस चौकी प्रभारी जयबीर सिंह और बिजली निगम के जेई पवन कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि आर्यनगर 133 केवी स्टेशन का कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने चार दिनों (वीरवार तक) में पूरा करने का लिखित आश्वासन देकर जाम खोलने की अपील की। इसके बाद ग्रामीणों ने मार्ग को सुचारू किया।

### सीधे कनेक्शन और पक्के मोर्चे की चेतावनी

किसान संघर्ष समिति के राज्य कमेटी सदस्य अनिल गोरछी ने कहा कि विभाग पिछले एक वर्ष से लिखित शिकायते देने के बाद भी बिजली संबंधित कार्य ना करके केवल खोखले आश्वासन दे रहा है। यदि वीरवार तक गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो ग्रामीण आगे का फैसला लेकर बालसमंद बिजली दफ्तर पर स्थायी (पक्का) मोर्चा शुरू करेंगे। इसके साथ ही ग्रामीण अपने मीटरों के कनेक्शन काटकर सीधे कुंडी कनेक्शन जोड़ेंगे और बिजली बिलों का भुगतान पूरी तरह बंद कर देंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मंदीप कस्वा गोरछी, हमीद खान, मेनपाल ज्याणी, बुधराम ज्यानी, धर्मेंद्र कादियान, सुरेंद्र पचार, राजबीर कादियान, अशोक कादियान, वजीर पचार, हवा सिंह कादियान, प्रदीप कालीरवाना, संदीप गोदारा, कमल रावलवास कलां, कृष्ण सरसाना, सुंदर खोवाल किरतान, कूपर सिंह बुगालिया किरतान, पीरी उर्फ अनिल भिवानी रोहिल्ला, राकेश रोहिल, ओनू शर्मा, विकास रोहिल, नवनीत रोहिल, रघुबीर कस्वा व अन्य प्रमुख ग्रामीण उपस्थित रहे।

### घिराय में हांसी-बरवाला रोड पर डटे ग्रामीण

**हांसी।** जिले के गांव घिराय में लगातार बिगड़ रही बिजली व्यवस्था से नाराज ग्रामीणों ने रविवार सुबह हांसी-बरवाला रोड पर अवरोध डालकर जाम लगा दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली निगम तथा प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सुबह करीब साढ़े आठ बजे लगाए गए जाम के दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ग्रामीण सतीश बूरा ने बताया कि गांव में लंबे समय से बिजली सप्लाई बाधित की समस्या बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार शहरों में 24 घंटे बिजली देने का दावा करती है, वहीं गांवों में लोगों को तय शैडयूल के अनुसार भी बिजली नहीं मिल रहीं।

### लाइनें सही, फिर भी नहीं दी जा रही बिजली

ग्रामीणों का कहना है कि समस्या तकनीकी खराबी या लाइन फॉल्ट की नहीं है। गांव की बिजली लाइनें सही स्थिति में हैं, लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं की जा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारी ना तो शिकायतों का जवाब देते हैं और ना ही समस्या के समाधान के लिए गंभीरता दिखा रहे हैं। इसी कारण ग्रामीणों को सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सड़क जाम की सूचना मिलने पर भाटला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीण बिजली आपूर्ति में स्थायी सुधार और विभागीय अधिकारियों के मौके पर पहुंचकर स्पष्ट आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस अधिकारियों द्वारा सूचित किए जाने पर बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंच प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को जल्द बिजली सप्लाई को दुरुस्त किए जाने का आश्वासन दिया। बिजली निगम के अधिकारियों ने बताया कि रात के समय बिजली की तार टूट जाने तथा उसके बाद थर्मल प्लांट में खराबी के चलते बिजली सप्लाई बाधित हुई थी। जिसे ठीक किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा गांव में दो ओर लाइनमैन नियुक्त किए जाने की मांग पर उन्होंने कहा कि आपकी मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा तथा गर्मी के मौसम में अतिरिक्त लाइनमैन नियुक्त किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

नारनौंद। राखी गढ़ी में किसान द्वारा बनाई गई निजी टंकी से पानी भरते ग्रामीण।

## इधर... ऐतिहासिक गांव राखीगढ़ी में पीने के पानी को तरसे ग्रामीण

- सप्ताह में एक दिन ही आता हैं सप्लाई का पानी
- ग्रामीण बोले- पाइपलाइन से चोरी किया जा रहा है पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

पूरी दुनिया के नक्शे पर अंकित राखीगढ़ी गांव में इन दोनों पीने के पानी की समस्या बनी हुई है। गांव के जलघर से सप्ताह में केवल एक दिन ही पानी की सप्लाई आती हैं जिसके कारण इस भीषण गर्मी में ग्रामीण पानी की एक एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। पानी की मेन पाइपलाइन से पानी चोरी किया जा रहा। इसको लेकर ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों से शिकायत भी है।

हड़प्पा कालीन सभ्यता को लेकर पूरी दुनिया में राखीगढ़ी का नाम सुर्खियों में रहता हैं और आए दिन देश विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पर पहुंचते हैं। इस गांव में भीषण गर्मी में पीने के पानी की भारी समस्या बनी हुई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के जलघर से सप्ताह में केवल एक दिन ही पानी की सप्लाई आती है। इस क्षेत्र में कैप्टन अभिमन्यु के प्रयासों से भाखड़ा का पानी सरसाना हेड से गांव राखी शाहपुर, राखी खास, खेड़ी जालब, खेड़ी लोहचब, गैबिनगर, नाड़ा गांव में अलग दिनों में आता हैं। सप्ताह में दो दिन गांव राखी शाहपुर, दो दिन राखी खास, दो दिन गांव खेड़ी जालब, खेड़ी लोहचब और एक दिन गांव गैबीनगर और नाड़ा के लिए निर्धारित है, लेकिन खेड़ी के पास लगे पाइप से कुछ लोग पाइप को तोड़कर पानी चोरी कर रहे हैं।

### मास्टर सुरेश ने अपने खर्चे पर बिछाई लाइन

गांव के मास्टर सुरेश कुमार ने अपने खर्च पर खेतों से पाइप लाइन बिछाकर अपने घर तक लाई हुई हैं। उसने पानी के समस्या को देखते हुए घर के बाहर बड़ी पानी की टंकी बनाकर उसमें पानी भर देता है। ग्रामीण पीने का पानी यहां से भरकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार इस गांव को ऐतिहासिक गांव बताती है, लेकिन पानी की कोई सुविधा नहीं है। बाहर से आने वाले लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा। पानी के लिए लोग लाइनों में लगे रहते हैं।

## हांसी पुलिस ने 755 वाहनों की जांच कर 171 के काटे चालान

**हांसी।** सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हांसी पुलिस ने जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि जिले के प्रमुख चौकों, बाजारों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर कुल 755 वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 171 वाहन चालकों के चालान किए गए। इनमें 7 बिना नंबर प्लेट, 15 ओवरस्पीड, 4 गलत पार्किंग तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक शामिल रहे। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने बताया कि नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं के साथ-साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी बाधा बनती है। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की पहचान कठिन होने से अपराधों की रोकथाम और जांच प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

## शहीद राजा राव तुलाराम संघर्ष समिति ने विधायक विनोद भयाना का अरुट द्वार का प्रस्ताव ठुकराया

### हांसी में प्रस्तावित चौक से 300 फुट दूर महाराजा अरुट द्वार बनाने को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शहीद राजा राव तुलाराम संघर्ष समिति ने विधायक विनोद भयाना की ओर से दिए गए चौक से 300 फुट की दूरी पर अरुट द्वार बनाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। विधायक द्वारा प्रस्तावित चौक से 300 फुट की दूरी पर महाराजा अरुट द्वार बनाने के संबंध में रविवार को यादव धर्मशाला में समाज के प्रबुद्ध लोगों और संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शहीद राजा राव तुलाराम चौक से लगभग 300 फुट की दूरी पर महाराजा अरुट द्वार बनाने के प्रस्ताव को सिरे से नकारते हुए समाज के लोगों एक स्वर में चौक पर शहीद राजा राव तुलाराम द्वार बनाने की मांग की। बैठक में प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अरुट द्वार के स्थान पर यहां शहीद राजा राव तुलाराम का द्वार बनाए जाने की मांग पर यादव समाज अडिग रहेगा। बैठक में विधायक विनोद भयाना द्वारा भिवानी रोड़ पर शहीद राजा राव तुलाराम द्वार बनाने के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह केवल एक द्वार का मामला नहीं, बल्कि समाज की भावनाओं और शहीद राजा राव तुलाराम के सम्मान से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि समाज लंबे समय से निर्धारित स्थान पर द्वार निर्माण की मांग करता आ रहा है, बैठक में चौक पर महाराजा अरुट द्वार बनाने का प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है।

संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि यदि विधायक विनोद भयाना ने उनकी मांग को पूरा नहीं किया तो शहीद राजा राव तुलाराम द्वार संघर्ष समिति यादव समाज व 36 बिरादरी के मिलकर आंदोलन और संघर्ष रास्ता अख्तियार करने से गुरेज नहीं करेगा। बैठक में समाज के लोगों ने एकजुट होकर समिति के निर्णय का समर्थन किया और आगे की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया।

## पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सिटिंग जज महाबीर सिंह सिंधु पंचतत्व में विलीन, दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

# कानूनी गलियारों-बार काउंसिल, न्यायाधीशों व वकीलों में शोक की लहर

हाईकोर्ट के सीटिंग जज समेत कई राजनेता उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु का रविवार सुबह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में देहांत हो गया। वह 59 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से गंभीर रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। हाई कोर्ट प्रशासन की ओर से साझा की गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक उन्होंने तड़के दो बजकर 50 मिनट पर अपनी अंतिम सांस ली। जस्टिस सिंधु के इस आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही कानूनी गलियारे, बार काउंसिल और न्यायाधीशों व वकीलों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार रविवार शाम उनके पैतृक गांव मसूदपुर में राजकीय सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु के बेटे समृद्ध सिंधु ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस अवसर पर हरियाणा एवं पंजाब उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों तथा सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सदस्यों ने शव यात्रा में शिरकत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। जज महाबीर सिंह सिंधु की अंतिम यात्रा में पीडब्ल्यूडी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा, विधायक विनोद भयाना, डीसी राहुल नरवाल, एसपी विनोद कुमार, एसडीएम राजेश खोथ सहित हांसी कोर्ट, सैशन कोर्ट हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने पार्थिव शरीर को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

हांसी। पार्थिक शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते परिजन, अधिकारी व ग्रामीण। श्रद्धांजलि अर्पित करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भयाना व सलामी देते पुलिस जवान।

### कई पेचीदा संवैधानिक मामलों में ऐतिहासिक फैसले सुनाए

अपने शानदार न्यायिक सेवाकाल के दौरान जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु ने कई पेचीदा संवैधानिक मामलों, गंभीर आपराधिक अपीलों और जनहित से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर बेहद दूरगामी और ऐतिहासिक फैसले सुनाए। कोर्ट रूम के दायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ वह व्यक्तिगत तौर पर भी सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि रखते थे। वह दिव्यांगजन अधिकारों के संरक्षण के लिए बनी समितियों और रेड क्रॉस जैसी विश्वप्रसिद्ध सामाजिक व कानूनी संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे और समाज के वंचित तबके की मदद करते रहे। उनका जाना भारतीय न्यायपालिका के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

### महिला से फोन छीनने के दो आरोपी गिरफ्तार

**हिसार।** अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने महिला से मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस संबंध में सातरोड निवासी शीतल ने शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने न्यू मॉडल टाउन निवासी सोमबीर व ढाणी जयदेव निवासी शुभम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर छीना गया फोन तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली गई। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। आरोपी शुभम के विरुद्ध चोरी के तीन मामले दर्ज हैं तथा वह लगभग एक माह पूर्व ही जेल से बाहर आया था। इसी तरह आरोपी सोमबीर के विरुद्ध चोरी के पांच मामले दर्ज हैं और वह भी पूर्व में जेल जा चुका है।

*जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।*
- **मुंशी प्रेमचंद**

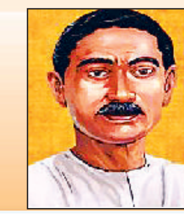

कहानी

आशा खत्री 'लता'

# मेरा बच्चा कहां है

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

*अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।*

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

**कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।**

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

## 'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

डॉ. अंजना गर्ग

लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा

### छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता | मनीषा मंजरी

### दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखट पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो भाता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

# देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन | आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाजुक मानसिकता पर जब इस बित्ते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर

आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की ज़रूरी आवाज़े भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के ग़ुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाज़ुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नज़रे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीज़ों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत ज़रूरी है।

मोटिवेशनल

## दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

## जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज़, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

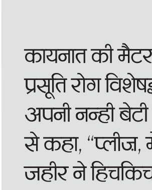

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'

कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंज़िल बन जाती है।

कुछ हटकर

## एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

### ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

### 12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

### मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

### आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

### रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

### क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

**खबर संक्षेप**

### चोरी का आरोपी गिरफ्तार चोरीशुदा सामान बरामद

**हिसार।** सिविल लाइन पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में चोरी के मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा सामान बरामद किया है। जांच अधिकारी एएसआई कविता ने बताया कि 12 जून को मलिक चौक स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में चोरी की वारदात हुई थी। इस संबंध में दुकान संचालक मुकेश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नारनौंद निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है।

### जान से मारने की धमकी देने के चार आरोपी गिरफ्तार

**डबवाली।** पुलिस ने घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों रणजीत सिंह, गुरतेज सिंह, पृथ्वी सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बीती 24 जून को गोरीवाला पुलिस चौकी में प्राप्त शिकायत में गांव गंगा में एक व्यक्ति पर आरोपियों द्वारा उसके घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाई और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज हुआ था।

### घर में घुसकर हमला के चार आरोपी गिरफ्तार

**डबवाली।** पुलिस ने घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाने के मामले में चार आरोपियों रणजीत सिंह, गुरतेज सिंह, पृथ्वी सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी गोरीवाला में प्राप्त शिकायत में गांव गंगा में एक व्यक्ति पर आरोपियों द्वारा उसके घर में घुसकर हमला करने और जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर डबवाली में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एएसआई जगपाल सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने जुटाए साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर गिरफ्तार कर लिया।

## धर्म के मार्ग पर अटल रहने वालों की भगवान करते है सहायता : नारायणाचार्य

# 81 कलशों से दूध, दही, शहद व गंगाजल से किया भगवान तिरुपति का महाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अध्यात्म व सामाजिक सरोकारों से जुड़े तिरुपति बालाजी धाम में ज्येष्ठाभिषेक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न क्षेत्रों से उमड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान वेंकटेश, माता पदमावती व माता गोदांबा के मंदिरों में माथा टेककर अपने इष्ट की आराधना की। इस दौरान पूरा धाम जय श्रीमन्ननारायण व जय तिरुपति बालाजी के उदघोष से गुंजायमान को उठा।

परम पद प्राप्त जगदगुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी महाराज के परम कृपापात्र अनन्त श्री विभूषित स्वामी नारायणाचार्य महाराज के सान्निध्य में यह उत्सव पूरी आस्था व उत्साह के साथ आयोजित किया गया। पूरे विधान व मंत्रोच्चारण के साथ दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल व सुगंधित द्रव्यों से 81 कलशों से भगवान तिरुपति का महाभिषेक किया गया। भगवान तिरुपति के आलौकिक महाभिषेक के दर्शन करके समस्त श्रद्धालु भावविभोर होकर नतमस्तक हो गए। इस दौरान 81 कलशों के यजमान भी धोती-कुर्ता धारण करके पूजा-अर्चना के लिए धाम में उपस्थित रहे। उत्सव के दौरान स्वामी नारायणाचार्य महाराज ने धर्मसम्मत व सदकार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी परिस्थिति हो, इंसान को धर्म के मार्ग से विमुख नहीं होना चाहिए। धर्म के मार्ग पर अटल रहने वाले इंसान की भगवान किसी न किसी माध्यम से अवश्य सहायता करते हैं। अग्रोहा रोड पर टोल प्लाजा के पास स्थित तिरुपति धाम में ज्येष्ठाभिषेक उत्सव में शामिल होने आए श्रद्धालुओं ने वेंकटेश भगवान, माता पदमावती, माता गोदांबा, गरुड़, लक्ष्मी नृसिंह, सुदर्शन, रामानुज स्वामी, शठकोप स्वामी, वरवर मुनि एवं हनुमान के मंदिरों के भी दर्शन किए। उन्होंने यहां स्थापित 42 फुट ऊंचे सोने के गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम्, तिरुपति यज्ञशाला, श्रीनिवास गोशाला व 71 फुट ऊंचे गोपुरम का भी अवलोकन किया।

**हिसार।** तिरुपति धाम में आयोजित ज्येष्ठाभिषेक उत्सव में हिस्सा लेते श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

# शनिदेव मूर्ति स्थापना दिवस पर निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जय श्याम विहार के नव दुर्गा मंदिर में शनिदेव मूर्ति स्थापना के लिए धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गया है। इसके लिए सेक्टर 9-11 के हनुमान मंदिर से जय श्याम विहार फेस-1 के नव दुर्गा मंदिर तक कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में मातृशक्ति, बच्चों व अन्य श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। मातृशक्ति ने लाल व पीले वस्त्र धारण करके और सिर पर नारियल युक्त कलश धारण करके यात्रा को आध्यात्मिक स्वरूप दे दिया। पुरुष श्रद्धालुओं ने हाथ में लाल ध्वज थामकर और माता के जयकारे लगाते हुए अपनी आस्था को व्यक्त किया। कलश यात्रा के साथ ही नव दुर्गा मंदिर में कथा भी प्रारंभ हो गई। साध्वी शब्दानंद महाराज ने कथा के माध्यम से सदकर्म करने का आह्वान किया। मंदिर कमेटी के सचिव विवेक मित्तल ने बताया कि 29 जून को शनि देव पूजन के उपरांत प्राण प्रतिष्ठा का विधान पूरा किया जाएगा और जनकल्याण के निमित हवन किया जाएगा। इसके साथ ही विशाल भंडारा भी लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक सावित्री जिंदल विशेष रूप से मौजूद रहेंगी। जगदीश तायल ने बताया कि इस दौरान पाबड़ा धाम के मुख्य पुजारी आचार्य प्रदीप शास्त्री, किसान कॉलोनी के श्याम मंदिर के महंत गोकुलदास महाराज, विवेकानंद महाराज व कथा वाचक साध्वी शब्दानंद महाराज व भजन गायिका सहज तायल उपस्थित रहेंगे। नव दुर्गा मंदिर में शुरू हुए धार्मिक अनुष्ठान में सनातन धर्म जागरण सेवा समिति विशेष योगदान दे रही है। समिति के प्रधान रमेश शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म की समृद्धि के लिए हमारी टीम सदैव तत्पर है।

**हिसार।** कलश यात्रा में हिस्सा लेते श्रद्धालु।

*ओशो ध्यान उपवन में लगाया मेडिटेशन शिविर*

# ध्यान मनुष्य में मौन एवं करुणा का करता है संचार : स्वामी संजय

**हिसार।** घबराहट, डर, तनाव और चिंता जैसी लगातार बढ़ रही समस्याओं के समाधान के लिए और खुशहाल व आनंदमय जीवन के उपाय समझाने के लिए ओशो ध्यान उपवन में एक दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन किया गया। ध्यान के लाभ पर आधारित इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया और ध्यान की विधियां सीखकर उनका अभ्यास भी किया। इस दौरान साधकों को सतगुरु ओशो के संचित प्रवचन सुनने का भी अवसर मिला।

ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि यहां पर साधकों के हितार्थ नियमित रूप से ध्यान शिविर व ध्यान सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में आयोजित किए गए मेडिटेशन कैंप से काफी संख्या में साधक लाभान्वित हुए। उन्होंने कहा कि नियमित मेडिटेशन करने वाले लोग तनाव का शिकार नहीं होते। उनके जीवन में अधिक स्पष्टता रहती है और वे मानसिक विकारों से बचे रहते हैं। स्वामी संजय ने मेडिटेशन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए बताया कि नियमित ध्यान से एकाग्रता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। इतना ही नहीं जीवन में शांति और आनंद का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान भावनात्मक संतुलन, बेहतर नींद और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए अत्यंत आवश्यक है। दरअसल मेडिटेशन समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

# स्वदेशी जागरण मंच ने सत्संग में जगाई अध्यात्म, राष्ट्रभक्ति व स्वदेशी की अलख

**राष्ट्रहित चिंतन करते हुए स्वदेशी विचारधारा अपनाने का आह्वान**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

स्वदेशी जागरण मंच के प्रकल्प स्वदेशी पारिवारिक सत्संग के अंतर्गत 25वां स्वदेशी सत्संग एमसी कॉलोनी स्थित भारत माता मंदिर में किया गया। इस दौरान अध्यात्म के साथ ही राष्ट्रभक्ति व स्वदेशी की अलख भी जगाई गई। सत्संग का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ और सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करके अपने इष्ट की आराधना की गई। इसके साथ ही भजन गाकर श्रद्धालुओं ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। आरती करते हुए सभी अपने इष्ट के समक्ष नतमस्तक हो गए और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान स्वदेशी विषय पर राष्ट्रहित चिंतन किया गया और स्वदेशी विचारधारा अपनाने का आह्वान भी किया गया। सत्संग संपन्न होने पर सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। सत्संग की विशेषता यह रही कि पूरा कार्यक्रम बिना किसी वाद्ययंत्र एवं साउंड सिस्टम के पारिवारिक एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। भजन संध्या में सुमित मित्तल, तुषार गोस्वामी, लक्ष्य अरोड़ा, साहिल, सुशील नारंग, सानवी, भूमिका व अन्य भजन गायकों ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। स्वदेशी चर्चा के दौरान स्वदेशी जीवनशैली अपनाने, भारतीय संस्कृति के संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत तथा परिवार आधारित सामाजिक जागरण पर विचार साझा किए गए। इस अवसर पर अनिल गोयल, प्रदीप बामल, अनिल कौशिक, मोना जैन, ऋचा जांगड़ा, स्नेहलता, सोनिया श्योदान, ओम विष्णु, भूपेंद्र ऋतुराज, अभिषेक सोलंकी रहे।

**हिसार।** स्वदेशी सत्संग में हिस्सा लेते पदाधिकारी, कार्यकर्ता व अन्य श्रद्धालुगण।

*समानता और अंधविश्वास के खिलाफ संघर्ष का आह्वान*

# संत कबीर दास ने समाज में बराबरी का दिया संदेश: सुलचानी

**हांसी।** संत कबीर दास के 629वें प्रकाश पर्व के अवसर पर लेबर शेड में सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय मनरेगा सहयोग मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामअवतार सुलचानी तथा विशिष्ट अतिथि जिला हिसार मंच अध्यक्ष बलराज मायड़ रहे। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता अशोक कुमार प्रेम नगर, कृष्ण कुमार सुलचानी, सुबे सिंह दुग्गल और महेंद्र सिंह इंदौरा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव जोगिंदर उमरा ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए रामअवतार सुलचानी ने कहा कि संत कबीर दास ने उत्पीड़ित और गरीब वर्ग के लिए जो सामाजिक प्रश्न उठाए थे, उनकी प्रासंगिकता आज और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कबीर दास ने अंधविश्वास, जाति-पाति और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए बराबरी का संदेश दिया था। वर्तमान समय में समाज उनके मूल विचारों से दूर होता जा रहा है व संतों के नाम पर जातीय विभाजन तथा मूर्ति पूजा को बढ़ावा दिया जा रहा है। बलराज मायड़ ने कहा कि अखिल भारतीय मनरेगा सहयोग मंच, जय हिंद ई-रिक्शा चालक यूनियन, अनाज मंडी मजदूर यूनियन, जन सहयोग मंच, अभिभावक मंच हरियाणा, महिला समिति हांसी अंधविश्वास, जातिवाद, धार्मिक विद्वेष, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं। मौके पर प्रताप सिंह लोहारी, संत लाल, अरुण कुमार, अक्षय कुमार, आशा खन्ना, बाला देवी, भगवान सैनी आदि रहे।

# रोडवेज कर्मियों की चेतावनी, 8 तक मांगे नहीं मानी तो 9 को बड़े आंदोलन पर विचार

**धरना 45वें दिन भी जारी, जीएम पर मांगे लटकाने का आरोप**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो में महाप्रबंधक के खिलाफ कर्मचारियों का धरना लगातार 45वें दिन जारी रहा। धरने की अध्यक्षता बजरंग लाखा ने की, जबकि मंच संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया। धरने के दौरान कर्मचारियों की लंबित मांगों और आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। सांझा संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों के 15 सूत्रीय मांग पत्र को दिए जाने के करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक लंबित वेतन-भत्तों सहित अन्य मांगों का कोई समाधान नहीं किया गया है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय महाप्रबंधक राहुल मित्तल कर्मचारी नेताओं को निशाना बना रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यदि कार्यालय स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध प्रयास किए जाएं तो अधिकांश मामलों का निपटारा संभव है, लेकिन महाप्रबंधक नियमित रूप से समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं होते, जिसके कारण कर्मचारियों के कार्य लंबित पड़े हैं और समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।

**हिसार।** कर्मचारियों को संबोधित करते संघर्ष समिति नेता बजरंग लाखा।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा संदीप जैनावास, जोगेंद्र पंघाल, अजय ढुहन, कर्मबीर मसूदपुर, जितेंद्र शर्मा, अरुण शर्मा, अमित जुगलान, अनूप श्योकंद, नरेंद्र खरड़ सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य भी मौजूद रहे।

## हवन-यज्ञ से देवता शीघ्र प्रसन्न होकर मनोकामना को करते है पूर्ण : आरसी

**हिसार।** अखिल विश्व गायत्री परिवार पश्चिमी उत्तर जोन शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में कैमरी रोड स्थित गायत्री शक्ति पीठ एवं संस्कारशाला में गायत्री जयंती व परमपूज्य गुरुदेव के महापरायण दिवस के उपलक्ष्य में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ गायत्री महामंत्र का जाप किया गया गया। आश्रम में हरिद्वार के परिवाजक आरसी मिश्रा ने मंत्रोच्चारण के साथ पांच कुंडीय महायज्ञ करवाया व उपस्थित श्रद्धालुओं को महायज्ञ से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए कहा कि यज्ञ का आध्यात्मिक महत्व तो है ही, वहीं यह हमारे वातावरण को भी निर्मल व स्वच्छ बनाता है। हवन यज्ञ से हमारे देवता अत्यंत शीघ्र प्रसन्न होकर मनोकामना को पूर्ण करते हैं। इसके अलावा डॉ. रेखा पंवार व मुख्य ट्रस्टी डॉ. महिपाल मुंजाल ने गायत्री जयंती के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके अलवा गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिवाजक आरसी मिश्रा, मुख्य ट्रस्टी डॉ. महिपाल मुंजाल, डॉ. रेखा पंवार के अलावा उपस्थित श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में पूर्ण आहुति दी। इस अवसर पर सुनील कटारिया, सुदर्शन बंसल, नवीन सलूजा, धर्मवीर माटा, अशोक आहूजा, प्रवीण वर्मा,दर्शन रहेजा, डॉ. अनिल मित्तल, शंकर बंसल, आरएस वर्मा, संगीता नलवा, डॉक्टर यशपाल मुंजाल, कांता महता, मनोज शर्मा, गुलशन शर्मा, हिमांशु महता, भोलेनाथ अरोड़ा,अशोक सैनी, नंद किशोर, गोबिंद बंसल,गणेश कत्याल आदि मौजूद रहे।

# प्रदेश के खिलाड़ियों ने 21वीं राष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में किया शानदार आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारतीय आइस स्केटिंग संघ की ओर से हिमाद्री आइस स्केटिंग रिंक, देहरादून में 21वीं राष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में स्पीड स्केटिंग एवं फिगर स्केटिंग दोनों स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा आइस स्केटिंग के मीडिया प्रभारी एडवोकेट नीरज वर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य के कुल 39 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 32 खिलाड़ी स्पीड स्केटिंग तथा 7 खिलाड़ी फिगर स्केटिंग स्पर्धा में हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह लोहान व मीडिया प्रभारी एडवोकेट नीरज वर्मा ने बताया कि हरियाणा की टीम लगातार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जनवरी 2026 में लद्दाख में आयोजित खेलो इंडिया विंटर गेम्स में हरियाणा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी हरियाणा के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के महासचिव दीपक कोहाड़ ने बताया कि प्रतियोगिता के तीसरे दिन ही हरियाणा के खिलाड़ियों ने पदक जीतने का सिलसिला शुरू कर दिया है। फिगर स्केटिंग स्पर्धा में गुरुग्राम की गोरी राय ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) तथा गुरुग्राम के कबीर हीरा ने स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर हरियाणा का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता में हरियाणा की शानदार शुरुआत है।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर भारतीय आइस स्केटिंग संघ के अध्यक्ष अमिताभ शर्मा, महासचिव जगराज सिंह शाहनी, उत्तराखंड सरकार की खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, एशियन कोऑर्डिनेटर क्रिश चेंग, इंटरनेशनल टेक्निकल कमेटी के सदस्य, हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह लोहान, महासचिव दीपक कोहाड़, भारतीय टेक्निकल ऑफिशियल पंकज चौधरी एवं रैना कुकरेजा, हरियाणा महिला टीम कोच श्रीमती सोनू सहरावत, पुरुष टीम कोच अजीत सिंह, तथा टीम मैनेजर कुनाल लोहान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

# युवा राहुल शर्मा राज्य पुरस्कार से हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

क्षेत्र के गांव कुतुबपुर निवासी के युवा सामाजिक कार्यकर्ता राहुल शर्मा को नशा मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। राहुल शर्मा वर्ष 2016 से युवाओं को नशे से बचाने के उद्देश्य से निशुल्क जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। वर्ष 2021 से वे समाज कल्याण विभाग, हिसार के साथ मास्टर वॉलंटियर के रूप में जुड़कर नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। वर्ष 2021 से 2026 के दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशा मुक्त भारत अभियान के डैशबोर्ड पर उनके द्वारा किए गए कार्यों के अनुसार वे अब 382 जागरूकता कार्यक्रम, कुल साढ़े तीन लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक करना शामिल है। इनमें सवा लाख से अधिक युवाओं व लगभग 80 हजार महिलाओं को जागरूक किया गया है। राहुल शर्मा की समाज सेवा की प्रेरणा उन्हें फार्मेसी प्रशिक्षण के दौरान नशे से बर्बाद होते युवाओं और टूटते परिवारों को देखकर मिली। इसके बाद इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से समाजकार्य की पढ़ाई ने उनके सामाजिक परिवर्तन के संकल्प को और मजबूत किया। अपने मामा अनिल शर्मा, शिक्षक प्रो. बलकार सिंह पूनिया एवं शिक्षिका अमरजीत कौर से प्रेरणा लेकर उन्होंने गांव कुतुबपुर से नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की, जो आज पूरे हरियाणा में एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

**हांसी।** राहुल शर्मा को सम्मानित करते मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

**नशे के खिलाफ अभियान**

यदि परिवार, शिक्षण संस्थान, सामाजिक संगठन और युवा मिलकर कार्य करें, तो नशा मुक्त भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा।/" आज राहुल शर्मा केवल एक सामाजिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि युवा शक्ति के लिए प्रेरणा और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बन चुके हैं। उनकी मुहिम से प्रेरित होकर अनेक युवा अपने-अपने क्षेत्रों में नशा विरोधी अभियान चला रहे हैं।

# सदलपुर में ग्रामीणों को नशे के विरुद्ध पीड़ितों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव सदलपुर में नशे के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नशा मुक्ति टीम ने गांव में नशा पीड़ितों, उनके परिजनों एवं ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। टीम ने नशा पीड़ितों को नियमित उपचार लेने के लिए प्रेरित किया तथा गांव में सक्रिय नशा तस्करों के संबंध में भी जानकारी एकत्रित की। इस अवसर पर नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अभियान के दौरान एक नए नशा पीड़ित की पहचान कर उसका डोजियर फॉर्म भरा गया। इसके साथ ही एक नशा पीड़ित को पहली बार जिले के नागरिक अस्पताल से एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं, वहीं, दो नशा पीड़ितों को उनके घर जाकर पहली बार आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध करवाई गई तथा उनकी काउंसलिंग भी की गई। इसके अतिरिक्त छह नशा पीड़ितों को दूसरी बार दवा दिलवाई गई। अभियान में कुल नौ नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल एवं घर जाकर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं तथा उन्हें नशा छोड़कर स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

**हिसार।** ग्रामीणों को जागरूक करते नशा मुक्ति टीम के सदस्य।

# सरकार चौकीदारों की मांगों की कर रही अनदेखी

आदमपुर ग्रामीण चौकीदार संघ हरियाणा के प्रदेश महामंत्री रमेश शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के हजारों ग्रामीण चौकीदार लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के समक्ष गुहार लगा रहे हैं, लेकिन आज तक उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया गया है। इससे पूरे प्रदेश के चौकीदारों में भारी रोष व्याप्त है। रमेश शर्मा ने कहा कि सरकार ने 16 जनवरी 2025 को ग्रामीण चौकीदारों के वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा की थी तथा 25 अगस्त 2025 को संबंधित फाइल को भी स्वीकृति मिल चुकी थी, लेकिन आज तक उस निर्णय को लागू नहीं किया गया। यह चौकीदारों के साथ अन्याय है। रमेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण चौकीदारों को वर्तमान मंडे प्रणाली से हटाकर श्रम विभाग के अंतर्गत न्यूनतम वेतनभोगी कर्मचारी घोषित किया जाना चाहिए, ताकि सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम वेतन वृद्धि का लाभ उन्हें स्वतः मिल सके तथा उनकी अन्य समस्याओं का भी स्थायी समाधान हो। उन्होंने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि एक जुलाई को प्रातः 11:15 बजे हिसार के क्रांतिमान पार्क से मुख्यमंत्री आवास तक पैदल मार्च शुरू किया जाएगा। पैदल मार्च प्रारंभ करने से पहले उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

खबर संक्षेप

## विवाह के तीन साल बाद महिला मायके से लापता

नारनौंद। उपमंडल के गांव से एक लड़की अज्ञात परिस्थितियों में लापता हो गई। विवाहित लड़की अपने मायके आई हुई थी और वो ताऊ के घर जाने के बहाने घर से निकली थी। पुलिस ने लड़की के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज करके उसकी तलाश आरंभ कर दी है। हांसी जिले के गांव मदनहेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने बास थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके दो बच्चे हैं, जिनमें बड़ी लड़की है और छोटा लड़का है। उसने अपनी बेटी की शादी करीब तीन साल पहले सोनीपत जिले के गांव बिटाना में कर दी थी। इन दिनों उसकी बेटी अपने मायके गांव मदनहेड़ी आई हुई थी। पीड़ति व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि 27 जून को उसकी बेटी अपने ताऊ के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन शाम तक भी अपने घर वापिस नहीं आई। इसके बाद उन्होंने अपने बड़े भाई के घर पर पता किया तो पता चला कि वो यहां पर आई ही नहीं थी। उसके बाद अपने स्तर पर काफी जगह पर तलाश की परंतु उसका कहीं से कोई सुराग नहीं लगा।

### कार्यकर्ताओं ने आमजन के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम

# 'मन की बात' से समाज में जागरूकता व सकारात्मक सोच का हो रहा विस्तार

- सिटी मंडल बूथ संख्या 91 में सुना गया कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं ने पीएम के विचारों से ली प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सुनते जिला अध्यक्ष व अन्य।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला प्रेरणादायी मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम देशवासियों को जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर जागरूक करता है।

डॉ. आशा खेदड़ रविवार को हिसार विधानसभा के सिटी मंडल बूथ 91 पर कार्यकर्ताओं व नागरिकों के साथ यह कार्यक्रम सुनने उपरांत बातचीत कर रही थी। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि सिटी मंडल में जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में घनश्याम गोयल के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम सुना गया। उन्होंने बताया की पूरे जिले में बूथ स्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम का सुना। जिले के विभिन्न मंडलों और बूथों पर आयोजित कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा नवीन कुमार, राकेश चोपड़ा, रंजीव राजपाल, नरेश कुमार, निर्मल गावड़िया, विजय गावड़िया, मुकेश गोयल, राजेश गोयल, पवन बिश्नोई सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

### पीएम के विचार जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया

हिसार। भारतीय जनता पार्टी हिसार विधानसभा के बूथ संख्या-12 पर भारत के महान राष्ट्रवादी विचारक एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 135वां संस्करण सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बिश्नोई के आवास पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बूथ अध्यक्ष धर्मवीर पानू ने की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को सामाजिक सरोकारों, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, जनभागीदारी, युवा शक्ति, आत्मनिर्भर भारत तथा राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर प्रेरणादायी संदेश दिया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सपड़ा, प्रशांत बिश्नोई, वीर सिंह राव, पलक, धर्म सिंह खटकड़, सरदार बलविंदर सिंह, व्हाट्सएप ग्रुप प्रमुख सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुनते कार्यकर्ता।

हिसार। सेक्टर 1-4 में योग शिविर में उपस्थित योगाचार्य व महिलाएं।

# शहर के सेक्टर 1-4 में योग शिविर एक दिन और बढ़ाया

### आदमपुर में योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर के सेक्टर-1 एवं 4 स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल भवन में संचालित योग शिविर साधकों के उत्साह के कारण एक दिन और बढ़ाया गया है। दूसरी ओर राजकीय उच्च विद्यालय, मंडी आदमपुर में आयोजित 21 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का वैदिक विधि-विधान, यज्ञ-हवन एवं संकल्प समारोह के साथ समापन हुआ। सेक्टर-1 एवं 4 के योग शिविर में स्थानीय महिला योग साधिकाओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। योग शिक्षक राजेश कुमार ने बारह दंडो का अभ्यास करवाते हुए शरीर को सुदृढ़ एवं अनुशासित बनाने का संदेश दिया। इसके उपरांत सुनील कक्कड़, महामंत्री पतंजलि योग समिति, हिसार ने हास्य आसन एवं विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास करवाया।प्रवक्ता हिन्दुस्तानी ने बताया कि चेहरे की वास्तविक आभा किसी सौंदर्य प्रसाधन से नहीं, बल्कि नियमित प्राणायाम, प्रसन्नचित्त जीवन और खुलकर हंसने से आती है। प्राणायाम शरीर में प्राणशक्ति का संचार करता है।

### ये रहे मौजूद

योगाचार्य राकेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप ज्याणी, राम सिंह गोदारा, अमरजीत ज्याणी, डॉ. सतीश, डॉ. जय सिंह, एडवोकेट सुनील, सुशीला, रजनी, नवीन सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं योग साधक उपस्थित रहे।

### भाविप के संस्थापक सदस्य सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती पर सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

हिसार। भारत विकास परिषद, विवेकानंद शाखा द्वारा संस्थापक सदस्य स्वर्गीय सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के प्रथम दिवस पर देवी भवन मंदिर परिसर में 101 तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं भारतीय संस्कृति में तुलसी के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना रहा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं उपस्थित नागरिकों को छोले एवं हलवा का प्रसाद भी वितरित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष राजेश जैन, शाखा सचिव सूर्य गोयल, शाखा वित्त सचिव आशीष जैन, शाखा गतिविधि संयोजक (पर्यावरण) मुरारीलाल सिंगला, अमर गोयल, अशोक गांधी, अशोक गर्ग तिलकधारी, हरिओम गोयल शाखा परियोजना प्रमुख पिंकी गोयल, सुमन कुच्छल, मधु गर्ग, सुमन गोयल, सुनीता बंसल व रेनू सिंगला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। शाखा पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ा जा सके।

# जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा को राज्य पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा को समाज कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नशा मुक्त भारत अभियान में उल्लेखनीय प्रशासनिक नेतृत्व के लिए राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। वर्तमान में महावीर गोदारा हांसी, हिसार और रोहतक जिलों का कार्यभार संभाल रहे हैं। उनके नेतृत्व में तीनों जिलों में समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के प्रभावी संचालन के साथ नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए गए। इन अभियानों से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

हिसार। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी से राज्य पुरस्कार प्राप्त करते जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा।

### सामूहिक प्रयासों का परिणामः गोदारा

राज्य पुरस्कार मिलने पर महावीर गोदारा ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि समाज कल्याण विभाग, जिला प्रशासन, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और नशा मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा को राज्य पुरस्कार मिलने पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी।

### नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में योगदान के लिए कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने दिया सम्मान

# स्टेनो सतीश कुमार राज्य पुरस्कार से हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता गतिविधियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय हिसार में कार्यरत स्टेनो सतीश कुमार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सतीश कुमार ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ी गतिविधियों, जागरूकता कार्यक्रमों और सरकारी संदेशों का सोशल मीडिया एवं विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। उनके प्रयासों से अभियान का संदेश बड़ी संख्या में युवाओं और आमजन तक पहुंचा तथा लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। राज्य पुरस्कार प्राप्त करने पर सतीश कुमार ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनहित से जुड़े अभियानों और सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

हिसार। मंत्री कृष्ण बेदी से राज्य पुरस्कार प्राप्त करते सतीश कुमार स्टेनो।

# दिव्य सुदर्शन क्रिया का किया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

आर्ट ऑफ़ लिविंग, हिसार शाखा की ओर से साप्ताहिक फ़ॉलोअप का आयोजन भारत माता मंदिर एवं सेक्टर 14 के हैप्पीनेस सेंटर में किया गया। जिसका संचालन आर्ट ऑफ लिविंग स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज कुमार गुप्ता एवं स्टेट टीचर्स कोऑर्डिनेटर महावीर अग्रवाल ने किया। नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि आज साप्ताहिक फॉलोअप में साधकों ने संगीतमय योगासन, सूर्य-नमस्कार, पद्म साधना, ध्यान, प्राणायाम तथा दिव्य सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करते हुए परमानन्द एवं दिव्य-ऊर्जा की सुखद अनुभूति अर्जित की। उन्होंने बताया कि सुदर्शन क्रिया फ़ॉलोअप अपने अभ्यास को गहरा करने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में सकारात्मक सोच वाले एवं आध्यात्मिक समुदाय की संगति का आनंद मिलता है। साधक इस कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक के सानिध्य में प्राचीन ज्ञान पर चर्चा करते हुए अपने दैनिक अभ्यास के साथ पथ पर बने रहने के लिए प्रेरित होते है। महाबीर अग्रवाल ने कहा कि सुदर्शन क्रिया वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एक श्वसन तकनीक है, जिससे विश्व भर के 45 करोड़ से भी अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। जिन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग पार्ट 1 कोर्स या यस प्लस कोर्स पूरा किया हैं, उन सभी सदस्यों के लिए संपूर्ण विश्वभर में आर्ट ऑफ लिविंग के केन्द्र साप्ताहिक सत्र आयोजित करते हैं।

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग के साप्ताहिक फ़ॉलोअप में शामिल साधक।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज चयनित विद्यार्थी के साथ।

# एचएयू के कमल का अंतरराष्ट्रीय छात्र शिखर सम्मेलन के लिए चयन

हिसार। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के बीएससी (कृषि) तृतीय वर्ष के छात्र कमल का 25वें अंतरराष्ट्रीय छात्र शिखर सम्मेलन ऑन फूड, एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंट में भाग लेने के लिए चयन हुआ है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, जापान द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच छात्रों को अपने ज्ञान और शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं तथा विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान को भी मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहभागिता छात्रों को विविध संस्कृतियों, विचारों और नवाचारों से परिचित कराते हैं, जिससे उनमें वैश्विक दृष्टिकोण विकसित होता है। उन्होंने बताया कि कमल सम्मेलन में पुशिंग बाउंड्रीज इंक्लूसिव एक्टिविटीज फॉर कम्युनिटी वेलफेयर विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

# 'हमारा प्यार हिसार' ने कैमरी रोड जल घर की बदरंग दीवार को दिया सुंदर रूप

हिसार। हमारा प्यार हिसार की टीम। फोटो : हरिभूमि

हिसार। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के अपने सतत प्रयासों के तहत सामाजिक संस्था 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को कैमरी रोड स्थित जल घर की एक बदरंग दीवार को टेराकोटा पेंट से नया एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। इस अभियान का उद्देश्य शहर के सार्वजनिक स्थलों को सौंदर्यपूर्ण बनाना तथा नागरिकों में स्वच्छता एवं सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए दीवार की सफाई, रंग-रोगन एवं आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित की। सदस्यों ने मिलकर न केवल दीवार को सुंदर रूप दिया, बल्कि आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अभियान में डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. राज वर्मा, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. बीबी बांगा, कमल भाटिया, आदेश मलिक, डॉ. एमएस मलिक, राजेंद्र गहलोत, राजन वर्मा, सत्येंद्र यादव, संजय मारवाड़ी, गगन मेहता, जितेंद्र बंसल, दिनेश बंसल, डॉ. विजय कादियान, डॉ. नीलेश सिंधु, युद्धवीर पान्नु, रमेश वर्मा, अनुराग परवाल, अनिल कुमार, सुमन ऐरेन, मधु गोयल, ईशा, भाविका, युगम, शुभम, नंदिनी, योगिता, आहना, तन्वी, भव्य, सैफी, व कैफ़ी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

# पल्स पोलियो अभियानः दो बूंद जिंदगी की पिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सुबह से ही बूथों पर पहुंच गए

नारनौंद के सरकारी अस्पताल की तरफ से पल्स पोलियो अभियान के तहत नारनौंद में जीरो से 5 साल तक के छोटे बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई गई। बस स्टैंड पर भी अलग से बूथ बनकर बस में आने जाने वाले छोटे बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई गई ताकि इस मुहिम में कोई बच्चा छूट ना जाए। नारनौंद शहर में अलग अलग जगह पर नो बूथ बनाकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने सुबह से गर्मी की तपत की परवाह ना करते हुए बच्चों को पोलियो की दवाई पिलानी शुरू कर दी। इसके लिए पहले ही मुनादी करवा दी गई थी। बूथों पर सभी अभिभावक अपने बच्चों पोलियो की दवाई पिलाने के लिए ला रहे थे। एक मोबाइल बूथ बनाया हुआ था। जो इस एरिए में बने ईंट भट्ठे पर रहने वाले श्रमिकों के बच्चों को वही पर जाकर दवाई पिलाई जा रही थी। बस स्टैंड पर पर बूथ बनाया गया था। सभी सरकारी और प्राइवेट बसों में आने जाने वाले छोटे बच्चों को बस में पोलियो की दो बूंद पिलाई गई। मिर्चपुर सरकारी अस्पताल में आने वाले सभी गावों में भी अलग अलग जगह पर बूथ बनकर दवाई पिलाई गई। एसएमओ डॉ. यशपाल सिंह ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत सभी छोटे बच्चों को बूथों पर दवाई पिलाई गई इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सुबह से ही अपने अपने बूथों पर पहुंच गए थे। मोबाइल बूथ बनाया गया था जो कि शहर के पास ईंट भट्ठे, फैक्ट्री सहित घुमंतू लोग जो कि जिस जगह पर ठहरे हुए थे वहीं पर जाकर उनके छोटे बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई गई।

नारनौंद। गांव राजथल में बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी।

### बच्चों को खुराक जरूर पिलाएं

हिसार। हिसार मंडल की आयुक्त गीता भारती ने रविवार को हिसार के अर्बन हेल्थ सेंटर, सेक्टर 1-4 में आयोजित पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नन्हे बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अभियान को पूरी गंभीरता, प्रभावी निगरानी एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य के साथ सफलतापूर्वक संचालित करने के निर्देश दिए। मंडल आयुक्त ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाना आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं और इस जनहित अभियान में सहयोग करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों से घर-घर पहुंचकर प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दवा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत ने बताया कि जिले में पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमें बूथों और निर्धारित क्षेत्रों में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. रोशन लाल, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. सुभाष खतरेजा, डॉ. सुशील गर्ग, डॉ. अनिल आहूजा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. पूनम पचार, डीपीएम नीरज गुप्ता, फार्मेसी अधिकारी रमेश कुमार एवं मान सिंह, कोल्ड चेन मैनेजर राजन सिंह तथा नर्सिंग अधिकारी सोनिया सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### किरतान में चलाया अभियान

हिसार। क्षेत्र के गांव किरतान में पल्स पोलियो अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत केन्द्र हिसार एवं आजाद हिन्द युवा क्लब गांव किरतान द्वारा चलाया गया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र और धर्मशाला में पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। इस मौके पर आजाद हिन्द युवा क्लब प्रधान कपूर सिंह आर्य ने सहयोग करते हुए गांव में अनेक बच्चों को पोलियो रोधी ड्रॉप्स पिलाई गई। ग्रामीणों से अपील की गई कि 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाए। पोलियो बूथ पर आशा वर्कर और डॉक्टर द्वारा ड्रॉप्स पिलाई गई। इस मौके पर डॉक्टर कुसुम, मुकेश, पुनम, सुमन देवी, सुलोचना, रामकला, सुनीता, सुमन लता आदि मौजूद थे।

# रोटरी क्लब बरवाला ने 1650 को पिलाई ड्रॉप्स

बरवाला। राष्ट्रव्यापी पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत इन्टरनेशनल रोटरी क्लब के आह्वान पर हर वर्ष की भांति रोटरी क्लब शाखा बरवाला द्वारा नया बस अड्डा बरवाला के पास पोलियो उन्मूलन अभियान कैंप लगाया गया। इस कैंप में प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन अर्पित जावा रहे और सभी रोटेरियन सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर सेवाएं दी। कैंप में राहगीर यात्रियों के साथ आए लगभग 1650 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई गई। सिविल अस्पताल बरवाला से एसएमओ डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह और बलवान सिंह के नेतृत्व में नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने भी अपनी सेवाएं दी। रोटरी क्लब शाखा बरवाला के अध्यक्ष ओमप्रकाश वधवा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह पूरे विश्व में अभियान चलाया जा रहा है ताकि पोलियो मुक्त विश्व बन सके। बरवाला शहर को भी पोलियो मुक्त शहर बनाया जा सके। प्रत्येक राहगीर को जागरूक किया गया कि यह अभियान 30 जून तक चलाया जायेगा और अपने नजदीकी पोलियो बुथ पर जाकर 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियों ड्राप्स जरूर पिलाएं। पोलियो की दो बूंद पिलाएं, जिंदगी बचाएं। मौके पर अध्यक्ष ओपी वधवा, डिप्टी गवर्नर विक्की रहेजा, पूर्व पार्षद पवन ढीगड़ा, देवेन्द्र गिल, कृष्ण पिलानी, राजकुमार बजाज, सरदार बेअंत सिंह, आशीष मेहता, अमन मेहता, संजय सन्दूजा व मास्टर सुरेश सरोए मौजूद रहे।